Dr. Premlata
Department of History

P.G. SEM II

Saathi

प्राचीन काल (लगभग 6वी शताब्दी ईसा पूर्व से 6वी शताब्दी ईस्वी तक) भारत में मुद्रा का उपयोग

भारत में मुद्रा का उपयोग लगभग 6वी शताब्दी ईसा पूर्व से शुरू हुआ था। उस समय सिक्कों का प्रचलन था, जिन्हें "पंचमार्क सिक्के" कहा जाता था। इन सिक्कों पर विभिन्न चिह्न अंकित होते थे, जैसे कि सूर्य, चंद्रमा, पहाड़ आदि इन सिक्कों का मूल्य धातु के वजन और शुद्धता पर आधारित था।

मौर्य और गुप्त काल में सिक्कों का प्रचलन बढ़ा। मौर्य साम्राज्य के दौरान, चाँदी और तांबे के सिक्के चलन में थे। गुप्त काल में सोने के सिक्के भी प्रचलित हुए, जिन्हें "दीनार" कहा जाता था।

मध्ययुगीन काल में, भारत में आधुनिक मुद्रा प्रणाली की शुरुआत हुई। ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपने सिक्के जारी किए, जिन्हें "कंपनी रुपया" कहा जाता था। 1861 में भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना हुई, जिसने भारतीय मुद्रा का नियंत्रण संभाला।

1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद, भारतीय रिजर्व बैंक ने भारतीय मुद्रा का नियंत्रण संभाला।

Premlata
History

Page No.